चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5.2.25		

पुस्तकें मानसिक व आध्यात्मिक विकास में सहायक

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में लगाई तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में लगाई गई तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी के समापन समारोह में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। सूचना प्रौद्योगिकी व इंटरनेट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है। प्रत्येक विद्यार्थी को अच्छी और शिक्षाप्रद पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। इससे विद्यार्थियों के चरित्र-निर्माण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। किताबें व्यक्ति की सच्ची मित्र होती हैं। पुस्तकों की सहायता से व्यक्ति इतिहास से संबंधित जानकारियां प्राप्त कर सकता है।

पुस्तकालयाध्यक्ष डा. राजीव पटेरिया ने बताया कि इस पुस्तक प्रदर्शनी में देश के जाने माने 16 पब्लिशर्स ने विभिन्न विषयों से संबंधित आठ हजार पुस्तकें प्रदर्शित की। इस प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टेक्नोलोजी, बायोटैक्नोलाजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। इन पब्लिशर्स में रिसर्च को बुक्स एंड पेरियोडिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, सतीश सिरियल पब्लिकेशन, अरविन्द प्रकाशन, सीबीएस पब्लिशर एंड डिस्ट्रीब्यूटर, इंडिका पब्लिशर एंड डिस्ट्रीब्यूटर, मेट्रो बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, जैन बुक्स एंड पेरियोडिकल्स, जगमेन्दर बुक एजंसी, नरेन्द्रा पब्लिशिंग हाऊस पब्लिशर एंड डिस्ट्रीब्यूटर आदि शामिल हुए। पुस्तक प्रदर्शनी में लोगों ने विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों की खरीद भी की। वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज हैं और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.50 लाख ई-पुस्तकें, 3500 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल (सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम) और 4 हजार से अधिक ई-थीसिस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगिताकर्ता लाभ उठा रहे हैं।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय की फोटो • जागरण आर्काइव

शहरवासियों ने दिखाया उत्साह

पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के अलावा शहरवासियों में भी काफी उत्साह देखने को मिला। पुस्तक प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और उन्होंने विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5-2-25	3	5

पुस्तकें व्यक्ति का मानसिक और आध्यात्मिक विकास करने में सहायकः प्रो. कांबोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में लगाई गई तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का समापन मंगलवार को हुआ। बड़ी संख्या में लोगों ने विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि सूचना प्रोद्यौगिकी व इंटरनेट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है। प्रत्येक विद्यार्थी को अच्छी और प्रेरणादायक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। इससे विद्यार्थियों के चरित्र-निर्माण पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव पटेरिया ने बताया कि इस पुस्तक प्रदर्शनी में देश के जाने माने 16 पब्लिशर्स ने विभिन्न विषयों से संबंधित 8 हजार पुस्तकें प्रदर्शित की। इस प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टेक्नॉलोजी, बायोटेक्नॉलोजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। पुस्तक प्रदर्शनी में लोगों ने विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों की खरीद भी की। वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज हैं। इस अवसर पर डॉ. बलवान सिंह, डॉ. सीमा परमार व डॉ. भानू प्रताप भी मौजूद रहे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5.2.25	5	6-8

पुस्तकें व्यक्ति का मानसिक व आध्यात्मिक विकास करने में सहायक : प्रो. काम्बोज

हिसार, 4 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में लगाई गई तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का समापन हुआ। पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के अलावा शहरवासियों में भी काफी उत्साह देखने को मिला। पुस्तक प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और उन्होंने विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। सूचना प्रोद्यौगिकी व इंटरनैट के बिकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है। प्रत्येक विद्यार्थी को अच्छी और शिक्षाप्रद पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। इससे विद्यार्थियों के चरित्र-निर्माण पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

पुस्तक प्रदर्शनी के समापन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

हकृवि में पुस्तक प्रदर्शनी सम्पन्न

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव पटेरिया ने बताया कि इस पुस्तक प्रदर्शनी में देश के जाने माने 16 पब्लिशर्स ने विभिन्न विषयों से संबंधित 8 हजार पुस्तकें प्रदर्शित की। इस प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टैक्नॉलोजी, बायोटैक्नॉलोजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। इन पब्लिशर्स में रिसर्च को बुक्स एंड पेरियोडिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, सतीश सिरियल पब्लिकेशन, अरविन्द प्रकाशन, सीबीएस पब्लिशर एंड डिस्ट्रीब्यूटर, इंडिका पब्लिशर एंड डिस्ट्रीब्यूटर, मेट्रो बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, जैन बुक्स एंड पेरियोडिकल्स, जगमेन्दर बुक एजंसी, नरेन्द्रा पब्लिशिंग हाऊस पब्लिशर एंड डिस्ट्रीब्यूटर, नीपा जैनिक्स इलैक्ट्रोनिक्स रिसोरसिज एंड सोलुशनस प्राइवेट लिमिटेड, टैक्नीकल ब्यूरो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एस्ट्रल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, बायोग्रीन बुक्स डिस्ट्रीब्यूटर सांइटिफिक बुक्स, इंटरनेशनल बुक सेंटर, इंटरनेशनल बुक सर्विसज व टुडे एंड टुमारो प्रिंटर एंड पब्लिशर शामिल हुए। पुस्तक प्रदर्शनी में लोगों ने विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों की खरीद भी की। वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज हैं और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.50 लाख ई-पुस्तकें, 3500 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल (सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम) और 4 हजार से अधिक ई-थीसिस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगिताकर्ता लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पुस्तकालय ई-पोर्टल को अपडेट कर नवीनतम तकनीकों को अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। इस अवसर पर डॉ. बलवान सिंह, डॉ. सीमा परमार व डॉ. भानू प्रताप भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-02-25	3	6

पुस्तकें मानसिक विकास में सहायक : प्रो. काम्बोज

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में लगाई गई तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का समापन हुआ। पुस्तक प्रदर्शनी में भारी संख्या में लोग पहुंचे और उन्होंने विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। सूचना प्रोद्यौगिकी व इंटरनेट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है। प्रत्येक विद्यार्थी को अच्छी और शिक्षाप्रद पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। इससे विद्यार्थियों के चरित्र-निर्माण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। किताबें व्यक्ति की सच्ची मित्र होती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-12-25	12	7-8

हकृवि में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का समापन

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में लगाई गई तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का मंगलवार को सम्पन्न हो गई। पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के अलावा शहरवासियों में भी काफी उत्साह देखने को मिला। पुस्तक प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और उन्होंने विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने बताया कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव पटेरिया ने बताया कि इस पुस्तक प्रदर्शनी में देश के जाने माने 16 पब्लिशर्स ने विभिन्न विषयों से संबंधित 8 हजार पुस्तकें प्रदर्शित की। इस प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टैक्नॉलोजी, बायोटैक्नॉलोजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर डॉ. बलवान सिंह, डॉ. सीमा परमार व डॉ. भानू प्रताप भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	04.02.2025	--	--

हकृवि में 3 दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का समापन

पुस्तकें व्यक्ति का मानसिक व आध्यात्मिक विकास करने में सहायक: प्रो. बी.आर. काम्बोज

सिटीपल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में लगाई गई तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का समापन हुआ। पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के अलावा शहरवासियों में भी काफी उत्साह देखने को मिला। पुस्तक प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और उन्होंने विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व

अध्यात्मिक विकास भी होता है। सूचना प्रोद्यौगिकी व इंटरनैट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है। प्रत्येक विद्यार्थी को अच्छी और शिक्षाप्रद पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। इससे विद्यार्थियों के चरित्र-निर्माण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। किताबें व्यक्ति की सच्ची मित्र होती हैं। पुस्तकों की सहायता से व्यक्ति इतिहास से संबंधित जानकारियां प्राप्त कर सकता है। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव पटेरिया ने बताया कि इस पुस्तक प्रदर्शनी में देश के जाने माने 16 पब्लिशर्स ने विभिन्न विषयों से संबंधित 8 हजार पुस्तकें प्रदर्शित की।

इस प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टैक्नॉलोजी, बायोटैक्नॉलोजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। इन पब्लिशर्स में रिसर्च को बुक्स एंड पेरियोडिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, सतीश सिरियल पब्लिकेशन, अरविन्द प्रकाशन, सीबीएस पब्लिशर एंड डिस्ट्रीब्यूटर, इंडिका पब्लिशर एंड डिस्ट्रीब्यूटर, मेट्रो बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, जैन बुक्स एंड पेरियोडिकल्स, जगमेन्दर बुक एजंसी, नरेन्द्रा पब्लिशिंग हाऊस पब्लिशर एंड डिस्ट्रीब्यूटर, नीपा जैनिक्स इलैक्ट्रोनिक्स रिसोरसिज एंड सोलुशनस प्राइवेट लिमिटेड, टैक्नीकल ब्यूरो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एस्ट्रल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, बायोग्रीन बुक्स डिस्ट्रीब्यूटर सांइटिफिक बुक्स, इंटरनेशनल बुक सेंटर, इंटरनेशनल बुक सर्विसज व टुडे एंड टुमारो प्रिंटर एंड पब्लिशर शामिल हुए। पुस्तक प्रदर्शनी में लोगों ने विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों की खरीद भी की।

वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज़ हैं और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.50 लाख ई-पुस्तकें, 3500 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल (सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम) और 4 हजार से अधिक ई-थीसिस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगिताकर्ता लाभ उठा रहे हैं।